

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME/
CERTIFICATE PROGRAMME IN
CONSUMER PROTECTION**

Term-End Examination

June, 2013

(APPLICATION ORIENTED COURSE)

ACS-1 : CONSUMER STUDIES

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

*Note : Attempt **any two** questions from **section I**. Each question carries **20** marks. Attempt **any four** questions from **section II**. Each question carries **10** marks. Attempt **any four** questions from **section III**. Each question carries **5** marks.*

SECTION - I

Answer *any two* questions in about **600** words each :

20x2=40

1. Explain the reasons for environmental deterioration and its consequences.
2. Describe the important provisions of consumer protection related legislations in India.

3. Explain the following with the help of decided case laws :
 - (a) Unfair Trade Practices
 - (b) Remedy for Medical negligence

4. Discuss the role of Public Interest Litigation (PIL) in protecting consumer and their rights.

SECTION - II

Answer *any four* of the following questions in about 300 words each : 4x10=40

5. Describe the structure and purpose of consumer International.
6. Explain the role of Ombudsman.
7. Discuss the changing trends in consumer movement.
8. Highlight the salient features of Bureau of Indian Standards Act, 1956.
9. Discuss the Consumer Rights Covered under the consumer Protection Act, 1986.
10. Explain the Three - tier grievance Redressal Machinery provided under Consumer Protection Act, 1986.

SECTION - III

Write short notes on *any four* of the following in about 100 words each :

4x5=20

11. The important features of Sale of Goods Act, 1930.
 12. Who is the 'Consumer' under the Consumer Protection Act, 1986.
 13. The Role of Council for fair Business Practices.
 14. The Role of Consumer organisations in ensuring consumer protection.
 15. The functions of Consumer International.
 16. The Remedies under the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969.
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम/उपभोक्ता
संरक्षण में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
जून, 2013

(व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम)

ए.सी.एस.-1 : उपभोक्ता अध्ययन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) भाग-I से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।
- (ii) भाग-II से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।
- (iii) भाग-III से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

भाग - I

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों
(प्रत्येक)में दीजिए।

20x2=40

1. पर्यावरणीय हास के कारणों और इसके दुष्परिणामों को स्पष्ट कीजिए।
2. भारत में उपभोक्ता संबंधी विधानों के महत्वपूर्ण उपबंधों का वर्णन कीजिए।

3. विनिश्चित निर्णय विधियों की सहायता से निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :
- (a) अनुचित व्यापारिक व्यवहार
 - (b) चिकित्सीय लापरवाही के लिए उपचार
4. उपभोक्ता और उनके अधिकारों तथा हितों का संरक्षण करने में जनहित याचिका (पी.आई.एल.) की भूमिका की चर्चा कीजिए।

भाग - II

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग

300 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

4x10=40

5. कंज्यूमर इंटरनेशनल की संरचना और उद्देश्य का वर्णन कीजिए।
6. लोकपाल (ओमबड्समैन)की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
7. उपभोक्ता आंदोलन में बदलती हुई प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए।
8. भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1956 की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
9. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत शामिल उपभोक्ता अधिकारों की चर्चा कीजिए।
10. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत प्रदत्ता त्रिस्तरीय शिकायत निवारण तंत्र को स्पष्ट कीजिए।

भाग - III

निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक)

में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :

4x5=20

11. वस्तु विक्रय अधिनियम, 1930 की महत्वपूर्ण विशेषताएं ।
 12. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत 'उपभोक्ता' कौन है?
 13. उचित व्यवसाय व्यवहार संबंधी परिषद की भूमिका (Council for fair Business Practices)
 14. उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने में उपभोक्ता संगठनों की भूमिका
 15. कंज्यूमर इंटरनेशनल के कार्य
 16. एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के अंतर्गत उपचार।
-